106452 - उसने रोज़ा रखा जबकि उसे मासिक धर्म से शुद्धता में संदेह था

प्रश्न

एक महिला ने रोज़ा रखा जबकि उसे मासिक धर्म से शुद्धता में संदेह था। जब उसने सुबह किया तो वह शुद्ध थी। क्या उसका रोज़ा स्थापित होगा जबकि वह अपनी पवित्रता के बारे में सुनिश्चित नहीं थी ?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।.

“उसका रोज़ा स्थापित नहीं होगा और उसके लिए उस दिन के रोज़े की क़ज़ा करना अनिवार्य है। क्योंकि मूल सिद्धांत यह है कि मासिक धर्म अभी भी चल रहा है और उसका शुद्धता का यक़ीन न होने के उपरांत भी रोज़े में प्रवेश करना, उसका इबादत में उसके सही होने की शर्त में संदेह के साथ प्रवेश करना है, और यह बात रोज़े के स्थापित होने को रोकती है।” उद्धरण का अंत हुआ।

आदरणीय शैख मुहम्मद बिन उसैमीन।

“मज्मूओ फतावा इब्न उसैमीन”, फतावा अस्सियाम (107. 108).